कैलाश चौधरी
KAILASH CHOUDHARY

सत्यमेव जयते

कृषि एवं किसान कल्याण
राज्य मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF STATE FOR AGRICULTURE
& FARMERS WELFARE
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

हिन्दी दिवस के अवसर पर मेरी ओर से हार्दिक बधाई।

सन् 1949 में 14 सितंबर के दिन संविधान सभा द्वारा हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया गया था, इसलिए इस विशेष दिन को प्रत्येक वर्ष हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था - "राष्ट्रीय व्यवहार में हिन्दी को काम में लाना देश की शीघ्र उन्नति के लिए आवश्यक है"। वास्तव में, हिन्दी हमारी राष्ट्रीय एकता की प्रतीक है और राष्ट्र निर्माण में हिन्दी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने देश की खाद्य और पौषणिक सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज परिषद द्वारा विकसित की गई उन्नत क़िस्मों के प्रसार और किसानों तक नई-नई तकनीकों की पहुँच के कारण हमारा देश खाद्यान्नों के निर्यातक की भूमिका में आ गया है। हिन्दी ने इन तकनीकों, क़िस्मों और अनुसंधान परिणामों को किसानों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

हमारे देश की राजभाषा नीति प्रेरणा और प्रोत्साहन पर आधारित है और इसके अनुपालन के लिए सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को उत्साहवर्धक वातावरण के माध्यम से कार्यालयीन कार्य हिन्दी में करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। मेरा आग्रह है कि हम सभी आम जनता की समझ में आने वाली सरल और सहज हिन्दी का प्रयोग सरकारी कामकाज में ज्यादा से ज्यादा करें। हमें अपनी मातृभाषा और राजभाषा पर हृदय से गर्व होना चाहिए। भाषा मात्र भाषा नहीं होती बल्कि हमारी परम्परा और संस्कृति की वाहक भी होती है। भाषा का सम्मान हमारा स्वयं का सम्मान है, राष्ट्र का सम्मान है।

अंगरेजी पढ़ि के जदपि सब गुन होत प्रवीन,
पे निज भाषा ज्ञान के, रहत हीन के हीन

मैं परिषद मुख्यालय एवं अधीनस्थ सभी संस्थानों में इस विशेष अवसर पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के सफल आयोजन की मंगल कामना करता हूं।

जय हिन्द!

(कैलाश चौधरी)

नई दिल्ली
14 सितंबर,2020